तृतीय अध्याय

शोध की प्रविधि एवं प्रक्रिया

शोध अभिकल्प

जनसंख्या

न्यादर्श का चयन

प्रयुक्त उपकरण

प्रदत्तों का संग्रहण

प्रदत्तो का विषलेशण

तृतीय अध्याय

शोध की प्रविधि एवं प्रक्रिया (METHODOLOGY)

प्रस्तुत अध्याय में शोध की प्रविधि, प्रक्रिया एवं उससे संबंधित पदों का विवरण प्रस्तुत किया गया। इसमें उपरोक्त विवरण निम्न शीर्षकों के अंतर्गत किया गया है–

- शोध अभिकल्प ***(Research Design)***
- जनसंख्या ***(Population)***
- न्यादर्श का चयन ***(Sample)***
- प्रयुक्त उपकरण ***(Tools)***
- प्रदत्तों का विश्लेषण ***(Procedure of Data Collection)***
- प्रदत्तों का विश्लेषण ***(Data Analysis Plan)***

(3.1) शोध अभिकल्प :–

प्रस्तुत शोध–प्रबंध में कक्षा–अनुशासन की वस्तुस्थिति का अध्ययन ***(Status Study)*** किया गया है। जो एक "वर्णनात्मक अनुसंधान" के अंतर्गत आता है। प्रस्तुत अनुसंधान में प्रश्नावली, साक्षात्कार – अनुसूची एवं समूह–चर्चा का प्रयोग किया गया है।

(3.2) जनसंख्या :–

इकाईयों के समूहों को जिसके लिये चर का मान निकालना अभीष्ट है, जनसंख्या या समष्टि कहते हैं।

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के समस्त शासकीय माध्यमिक विद्यालयों में सन् 2008–2009 में कार्यरत सभी प्राचार्य, अध्यापनरत सभी शिक्षक, अध्ययनरत सभी विद्यार्थी तथा उन सभी विद्यार्थियों के अभिभावक शोध की जनसंख्या है।

(3.3) न्यादर्श का चयन :-

न्यादर्श के चयन हेतु शोधकर्त्ता द्वारा कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) से जिले में संचालित माध्यमिक स्तर के विद्यालयों की सूची प्राप्त की गई। इनमें से पांच शासकीय माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया गया।

चयनित माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पांच प्राचार्यो का चयन किया गया।

चयनित विद्यालयों में अध्यापनरत लगभग 25 शिक्षकों (स्त्री एवं पुरूष) का चयन यादृच्छिक न्यादर्श विधि से लॉटरी पद्धति द्वारा किया गया।

चयनित विद्यालयों की कक्षा नवमीं एवं दसवीं में अध्ययनरत 100 विद्यार्थियों का यादृच्छिक न्यादर्श विधि से चयन किया गया।

चयनित विद्यार्थियों के अभिभावकों में से 15 अभिभावकों का चयन किया गया ।

इस प्रकार न्यादर्श में 5 प्राचार्यो, 25 शिक्षकों, 100 विद्यार्थियों और 15 अभिभावकों का चयन किया गया।

(3.5) प्रयुक्त उपकरण :-

प्रस्तुत अध्ययन के ऑकड़ों के संग्रहण हेतु निम्नांकित उपकरण का प्रयोग किया गया –

1. साक्षात्कार – अनुसूची (प्राचार्यो के लिये)
2. स्वनिर्मित प्रश्नावली (शिक्षकों के लिये)
3. स्वनिर्मित प्रश्नावली (विद्यार्थियों के लिये)
4. समूह–चर्चा (चयनित अभिभावकों के साथ शोध के उद्देश्यों के अनुरूप समूह–चर्चा की गई और इसे रिकार्ड किया गया)

(3.6) प्रदत्तों का संग्रहण :-

प्रदत्तों के संग्रहण हेतु शोधकर्ता ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल से अनुमति पत्र प्राप्त किया। इसके बाद शोधार्थी ने चयनित विद्यालयों में जाकर

Chhattisgarh

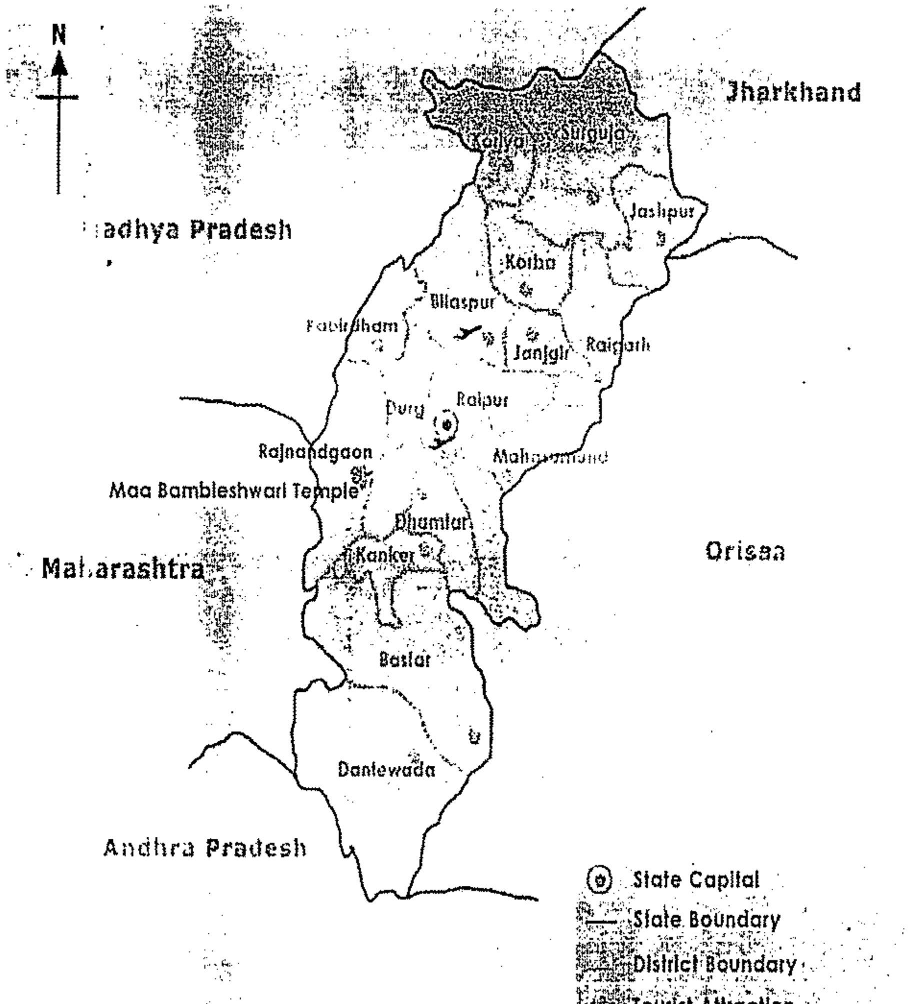

Chhattisgarh Maa Bambleshwari Temple Map

Map not to Scale

Copyright © Turnkey Software Projects Pvt. Ltd. 2005 06

District - Rajnandgaon

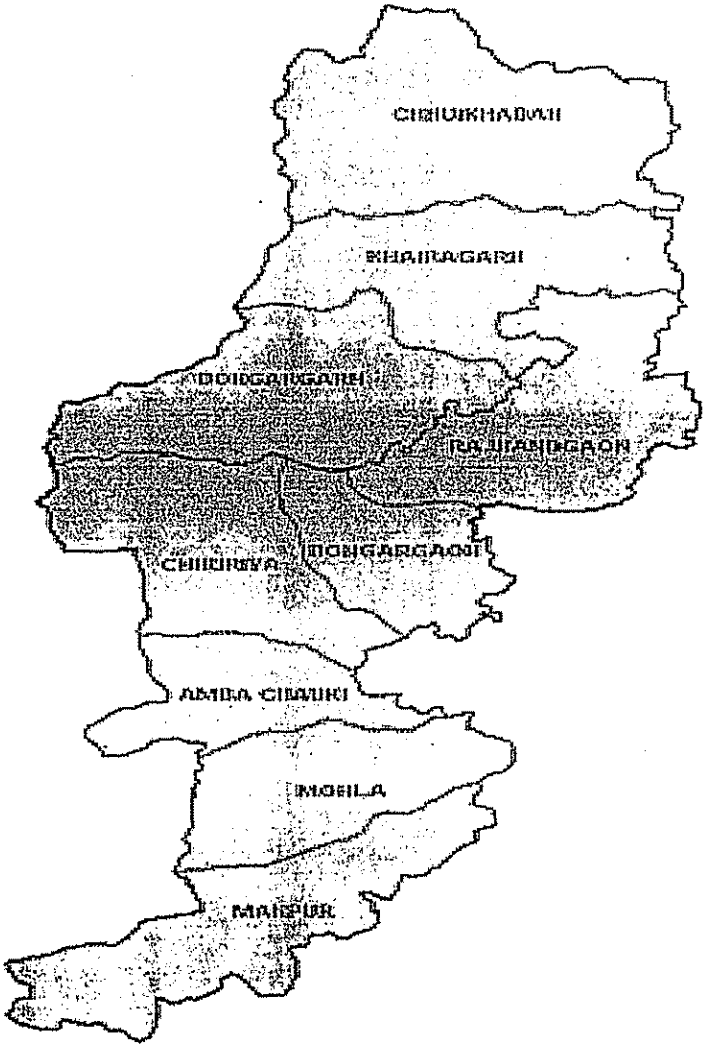

प्राचार्य से अपने शोध के विषय में निवेदन करते हुये संपूर्ण जानकारी से अवगत कराया। इसके पश्चात् सर्वे – प्रविधि का प्रयोग करते हुये साक्षत्कार–अनुसूची के माध्यम से प्राचार्यों से, स्वनिर्मित प्रश्नावली के माध्यम से शिक्षकों एवं विद्यार्थियों से प्रदत्तों का संग्रहण किया गया। इसी क्रम में विद्यार्थियों के अभिभावकों से समूह–चर्चा के पश्चात् रिकार्डिंग की गई। इस प्रकार प्रदत्तों के संग्रहण हेतु शोधकर्ता को 10 दिवस का समय लगा।

(3.7) प्रदत्तों का विश्लेषण :–

प्राचार्यों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के द्वारा प्राप्त प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु प्रतिशत का उपयोग किया गया।